केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
# भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 240 शनिवार 29 मार्च 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

## एक नजर

### कुणाल कामरा को मिली अग्रिम जमानत

मुम्बई (आभा)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का अपने एक कार्यक्रम के दौरान कथित रूप से अपमान करने को लेकर आलोचनाओं और शिव सैनिकों के गुस्से का सामना कर रहे स्टैंड–अप कॉमेडियन कुणाल कामरा को शुक्रवार को मद्रास हाई कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। हाई कोर्ट ने उन्हें अंतरिम अग्रिम जमानत दे दी है। कामरा तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले के निवासी हैं। शिंदे पर अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में उन्हें मुंबई पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने की आशंका थी। इसलिए उन्होंने आज ही हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी दी थी। मुंबई पुलिस पूछताछ में शामिल होने के लिए उन्हें दो बार समन भेज चुकी है।

यह विवाद खार के हैबिटेट कॉमेडी क्लब में कामरा के हालिया शो से उपजा है, जहां उन्होंने एकनाथ शिंदे को निशाना बनाते हुए एक पैरोडी गीत प्रस्तुत किया था। कामरा के शो के बाद शिवसेना समर्थकों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने रविवार रात क्लब तथा होटल में तोड़फोड़ की थी।

### जमीनी विवाद में मारपीटःभतीजे की मौत, चाचा गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भूमि विवाद में चाचा–भतीजे के बीच मारपीट हो गई। मारपीट में घायल भतीजे को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पर उसकी मौत हो गई। पुलिस ने चाचा के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। सीओ रुधौली स्वर्णिमा सिंह ने बताया कि लालगंज थानाक्षेत्र के थाल्हापार गांव निवासी राकेश यादव की अपने चाचा रामजस यादव से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। गुरुवार रात उनके बीच मारपीट हो गई। मारपीट में राकेश यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया। जहां पर राकेश यादव की मौत हो गई। पुलिस ने चाचा रामजस के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। राकेश यादव के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया गया है।

### अमरमणि मामले में अब 15 अप्रैल की तारीख

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पूर्व मंत्री अमरमणि प्रकरण में कोर्ट की कार्रवाई आगे नहीं बढ़ सकी। फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथमध्यमपी एमएलए कोर्ट के न्यायाधीश प्रमोद कुमार गिरि की अदालत में अमरमणि त्रिपाठी के केस में गवाही की तारीख थी, लेकिन गवाह हाजिर नहीं हुए। लिहाजा कोर्ट ने साक्ष्य के लिए 15 अप्रैल की तारीख तय कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के 22 साल पुराने राहुल अपहरणकांड में पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी भी एक आरोपित हैं। जो न्यायालय से फरार चल रहे हैं। उनके सम्पत्तियों की कुर्की हो चुकी है। कोर्ट ने शेष साक्ष्य के लिए गवाहों को 27 मार्च तय किया था। गुरुवार को कोर्ट में एक भी गवाह उपस्थित नहीं हुआ। बता दें कि 6 दिसम्बर 2001 की घटना में रोडवेज तिराहा निवासी राहुल मधेसिया का अपहरण हो गया था। तत्कालीन मंत्री अमरमणि के लखनऊ स्थित आवास से एसटीएफ ने बरामद किया था। इस प्रकरण की सुनवाई न्यायालय में चल रही है।

## भूकंप से म्यांमार, थाईलैंड में बड़ी तबाही, आपातकाल घोषितः बढ़ रहे हैं मौतों के आंकड़े

**नई दिल्ली (आभा)।** भारत के पड़ोसी देश म्यांमार में भीषण भूकंप से बड़े पैमाने पर जनहानि की आशंका है। इसके अलावा थाईलैंड में भी इमारतें भरभराकर गिर गईं और बड़ी संख्या में लोग मलबे में दबे हुए हैं। अब तक मिली जानकारी के अनुसार कुल 20 लोग मारे गए हैं। इसके अलावा सैकड़ों लोग लापता हैं, जिनकी तलाश के लिए अभियान चल रहा है। म्यांमार में भारतीय समयानुसार 11.52 पर पहला जलजला आया और फिर 12 बजे

के बाद दूसरा झटका लगा। दोनों बार तीव्रता रिक्टर स्केल पर 7 से अधिक थी, जो विनाशकारी माना जाता है। पहली बार में 7.2 की तीव्रता का भूकंप था, जबकि दूसरी बार में यह और तेज होते हुए 7.7 हो गया। इन झटकों ने पूरे म्यांमार को हिला डाला और पल भर में ऊंची इमारतें जमींदोज हो गईं।

म्यांमार के मांडले में एक मस्जिद के ढहने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा यूनिवर्सिटी में भूकंप के बाद आग लग गई। स्थानीय मीडिया आउटलेट 'खित थित' ने यह जानकारी दी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि म्यांमार के सागाइंग से 16 किलोमीटर उत्तर–पश्चिम में आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.7 आंकी गई। भूकंप का केंद्र 22.01 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 95. 92 डिग्री पूर्वी देशांतर पर सतह से 10.0 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के कारण मांडले पैलेस के किले सहित कुछ इमारतों को काफी नुकसान हुआ। मांडले क्षेत्र में कई इमारतें मिट्टी में मिल गईं, जबकि मांडले और यांगून को जोड़ने वाली कई सड़कें क्षतिग्रस्त या अवरुद्ध हो गयीं, जिससे परिवहन बाधित हुआ।

यांगून में शिन्हुआ के संवाददाताओं ने बताया कि राजधानी ने पी ताव और सबसे बड़े शहर यांगून में भूकंप के झटके महसूस किये गए। ने पी ताव में कुछ स्कूल और कार्यालय भवन भी ढह गए। म्यांमार अग्निशमन सेवा विभाग ने बताया कि बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है।

## आदर्श के परिजनों से मिले पूर्व विधायक दयाराम चौधरीः दिया न्याय दिलाने का भरोसा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने शुक्रवार को दुबौलिया थाना क्षेत्र के उमाई गांव पहुंचकर नाबालिग आदर्श के मौत मामले में परिजनों से मिलकर न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। आदर्श के पिता ओम प्रकाश उपाध्याय और पारिवारिक सदस्यों से मिलकर घटना की कड़े शब्दों में निन्दा करते हुये दयाराम चौधरी ने कहा कि दोषी पुलिस कर्मियों को उनके किये की सजा मिले, भविष्य में इस प्रकार के घटना की पुनरावृत्ति न होने पाये, सरकारी स्तर पर परिवार को आर्थिक सहायता, मुआवजा मिले इस दिशा में वे लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होने दुःखी परिवार को भरोसा दिलाया कि वे सदैव उनके साथ है। घटना दुर्भाग्यपूर्ण है और दोषियों को सजा जरूर मिलेगी। दुःखी परिवार को निजी स्तर पर आर्थिक सहायता देते हुये उन्होने कहा कि आदर्श की मौत ने कई सवाल खड़ा किये है। दोषी किसी कीमत पर बख्शे नहीं जायेंगे।

पूर्व विधायक दयाराम चौधरी के साथ दुःखी परिवार को सात्वनां देने वालों में राजकुमार उपाध्याय, राजन पाण्डेय, रजनीश वर्मा, लालचंद चौधरी, आशीष चौधरी, सचिन पाण्डेय, महेन्द्र चौधरी, अभिषेक चौधरी, राजेश शर्मा के साथ ही स्थानीय नागरिक, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

## जेल से रिहाई पर ठाकुर प्रेम नन्दबंशी का किया स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के मण्डल महासचिव एवं पूर्व लोकसभा प्रत्याशी ठाकुर प्रेम नन्दबंशी की जेल से रिहाई पर डा. आर.के. आनन्द के नेतृत्व में फूल मालाओं के साथ कचहरी परिसर में स्वागत किया गया। ठाकुर प्रेम नन्दबंशी ने कहा कि नगर थाना क्षेत्र के रानीपुर बेलाडी गांव में हुई एक महिला हत्या के मामले में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने, दोषियो के विरुद्ध कार्रवाई की मांग को लेकर शास्त्री चौक पर धरना दिया जा रहा था। पुलिस ने न्याय दिलाने की जगह उनका और मृतका मधुमालती के पति मुकेश शर्मा का चालान कर जेल भेजवा दिया। कहा कि वे इससे डरने वाले नहीं है। जनहित के सरोकारों को लेकर उनका रचनात्मक आन्दोलन जारी रहेगा।

ठाकुर प्रेम नन्दबंशी का स्वागत करने वालों में चन्द्रिका प्रसाद, आलोक ठाकुर, राम सुमेर यादव, बब्लू शर्मा, बाबा ठाकुर, शोभाराम ठाकुर, कृपाशंकर चौधरी, मुकेश शर्मा, लालमणि शर्मा के साथ ही अनेक राजनीतिक, सामाजिक संगठनों के लोग शामिल रहे।

## बौद्ध धम्म महासम्मेलन 30 को, तैयारियां जोरों पर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विशाल बौद्ध धम्म महासम्मेलन की तैयारियां पूरी की जा चुकी है। 30 मार्च को राजकीय इण्टर कालेज के परिसर में देश के विभिन्न हिस्सों से महात्मा बुद्ध के अनुयायी कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। प्रातः 10 बजे से रात्रि 10 बजे तक विविध आयोजन होंगे।

यह जानकारी देते हुये विशाल बौद्ध धम्म महासम्मेलन के मुख्य आयोजक उदयभान ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि आयोजक मण्डल की ओर से 15 हजार लोगों के बैठने का प्रबन्ध किया गया है।

बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धम्मा लर्निंग सेन्टर सारनाथ के संस्थापक अध्यक्ष भिक्खु चन्दिमा -15 हजार अनुयायियों के लिये की गई है व्यवस्था- उदयभान

बेरो होंगे। अध्यक्षता अग्ग महापण्डित भदन्त ज्ञानेश्वर महास्थिवर द्वारा किया जायेगा।

मुख्य आयोजक उदयभान ने बताया कि महात्मा बुध का संदेश समूची दुनियां में शांति, प्रेम और प्रगति का संदेश दे रहा है। बुद्ध ने सदैव लोगों को स्वंय जाग्रत होकर 'अप्प दीपो भव' का संदेश दिया। इस मूल संदेश से जनपद को जोड़ने के लिये बौद्ध धम्म महासम्मेलन सबके सहयोग से होगा। इसके लिये जनपद के सभी तहसील, ब्लाक स्तर पर, गांव– गांव जाकर बौद्ध बिहार स्थलों पर लोगों को कार्यक्रम की जानकारी दी गई है।

## दिन दहाड़े असलहे के दम पर आढती की दुकान से 3 लाख की लूट

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुरानी बस्ती थानाक्षेत्र के पॉलीटेक्निक चौराहे पर स्थित आढती की दुकान से असलहाधारी बदमाशों ने 3 लाख रूपये लूट लिया। यह घटना शुक्रवार दिन में 11 बजे की है। पंकज कुमार शुक्ला धान, गेहूं व अन्य अनाज के खरीद का कारोबार करते हैं। उनका कार्यालय पॉलिटेक्निक चौराहे पर है। शुक्रवार को सुबह करीब 11 बजे वह अपने घर पर थे। कार्यालय में कर्मचारी अनमोल चौधरी मौजूद था। अनाज खरीद के नाम पर दिन में 11 बजे पहुंचे पल्सर सवार दो लोगों ने दरवाजा खुलवाया और कार्यालय के अंदर घुस गए। इसके बाद एक बदमाश ने 315 बोर का देसी तमंचा तथा दूसरे ने पिस्टल लगा दिया। बदमाशों ने काउंटर में रखा 298700 निकाल लिया। दो व्यापारियों के

अनाज बेचने की सूचना पहले ही अनमोल चौधरी मालिक पंकज शुक्ला को दिया था लेकिन उनके हाव–भाव को लेकर संदेह भी जताया था। इस दौरान संदेह होने पर पंकज कुमार शुक्ला ने पास में कुछ दूरी पर अनाज की तौल करा रहे दो स्टाफ को अपने कार्यालय भेज दिया। इन दोनों स्टाफ का बदमाशों से आमना सामना हुआ। उनके कर्मियों ने एक बदमाश से 315 बोर के कट्टे को और मोबाइल छीन लिया जबकि दूसरे बदमाश ने पिस्तौल को दिखाते हुए अपने साथी के साथ बाइक से फरार हो गया। बाइक पर जो नंबर पड़ा हुआ है वह नंबर फर्जी है। इसकी सूचना पुलिस को मिली। मौके पर पुरानी बस्ती पुलिस के साथ अधिकारी पहुंच गए हैं और मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद है।

## चौकी इन्चार्ज पर मनमानी का आरोपः शिवसेना ने एसपी से किया न्याय दिलाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । फुटपाथ पर दूकान लगाकर जीविका चलाने वाले गोरखनाथ को कम्पनीबाग चौकी इन्चार्ज द्वारा आये दिन धमकी देने, प्रताड़ित किये जाने के मामले में शुक्रवार को शिव सेना जिला प्रमुख प्रमोद पाण्डेय ने शिव सैनिकों के साथ पुलिस अधीक्षक को सम्बोधित ज्ञापन कार्यालय में सौंपा। मांग किया कि निर्दोष गरीब व्यापारी का अनावश्यक उत्पीड़न चौकी इन्चार्ज द्वारा बंद किया जाय अन्यथा शिव सेना आन्दोलन को बाध्य होगी।

ज्ञापन देने के बाद शिव सेना प्रमुख प्रमोद पाण्डेय ने बताया कि गोरखनाथ शिव सेना के सदस्य है और कम्पनीबाग के निकट फुटपाथ पर कपडे की दूकान चलाते हैं।

कम्पनीबाग चौकी इन्चार्ज अजय सिंह द्वारा आये दिन गोरखनाथ, उनके परिजनों को तरह– तरह की धमकियां दी जाती है कि फर्जी मुकदमों में फंसाकर जिन्दगी बरबाद कर देंगे। गरीब गोरखनाथ और उनका परिवार चौकी इन्चार्ज अजय सिंह की धमकियों से डरा हुआ है। उन्हें भय है कि चौकी इन्चार्ज फुटपाथ से उनकी दूकान हटवाने के साथ ही उन्हें मनगढन्त मामलों में फंसा सकते हैं। मांग किया कि चौकी चन्चार्ज के विरूद्ध कार्रवाई के साथ ही गोरखनाथ के परिवार के जान माल की रक्षा कराया जाय।

एसपी को सम्बोधित ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से राजेश कसौधन, गोपाल सोनकर, अमित गुप्ता, अजय कुमार, अंकुश कसौधन, गोरखनाथ, सुरेश सोनकर, नागेंद्र मिश्रा, अमित मांझी आदि शामिल रहे।

## रोटरी का उद्देश्य पीड़ित मानवता की सेवा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रोटरी क्लब बस्ती ग्रेटर के अधिकारिक दौरे पर आये रोटरी मण्डलाध्यक्ष परितोष बजाज ने हथियागढ़ कृष्ट आश्रम में रोगियों को वस्त्र वितरण करने के साथ ही आश्रम के विकास के लिए आर्थिक सहयोग किया। कहा कि रोटरी का उद्देश्य सेवा के माध्यम से लोगों का सहयोग करना है। उन्होने पौधारोपण भी किया। इसके बाद एक होटल में क्लब कार्यो की समीक्षा कर संतोष व्यक्त करते हुये बस्ती ग्रेटर द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना किया।

चार्टर अध्यक्ष एवं सचिव रोटेरियन किशन कुमार गोयल क्लब के वरिष्ठ

सदस्य डा वी के वर्मा ने रोटरी मण्डलाध्यक्ष परितोष बजाज को क्लब द्वारा किये जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी दिया। डा. वर्मा ने परितोष बजाज को स्वरचित रचित पुस्तिक कोविड 19 और स्मृति चिन्ह भेंट किया।

इस अवसर पर रोटेरियन राम दयाल चौधरी, प्रतिभा गोयल, धन्नजय शुक्ल, डा. श्याम नरायण चौधरी इन्टरैक्ट अध्यक्ष शौर्य गोयल , आश्रम प्रबंधक कौशल त्रिपाठी के साथ ही रोटरी और इन्टरैक्ट के अनेक पदाधिकारी, सदस्य शामिल रहे।

## भाजपा कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़– विवेकानन्द मिश्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष के रूप में पुनः निर्वाचित होने के उपरांत श्री विवेकानंद मिश्रा का कप्तानगंज विधानसभा क्षेत्र में भव्य स्वागत किया गया। क्षेत्र भ्रमण के दौरान विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने उनका जोरदार अभिनंदन किया। इस दौरान कप्तानगंज में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भारी संख्या में उपस्थित होकर उनका उत्साहवर्धन किया। इस पूरे कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश देखने को मिला। जगह–जगह पर जिलाध्यक्ष का भव्य स्वागत हुआ और कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए भाजपा की नीतियों को जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। गांव–गांव, नगर–नगर भाजपा के संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा के साथ जुटे रहने का वचन दिया।

भव्य स्वागत से गदगद जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती का संकल्प दिलाते हुए कहा कि भाजपा की विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने के लिए हम सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा।

अपने स्वागत से अभिभूत होकर भाजपा जिलाध्यक्ष श्री विवेकानंद मिश्रा ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया और पार्टी संगठन को सशक्त बनाने के लिए सबको मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ है, और हम सभी मिलकर पार्टी को और अधिक मजबूत बनाएंगे।

जिलाध्यक्ष का काफिला दुधौरा, कप्तानगंज चौराहा, कल्याणपुर, एकटेकवा, दुबौला, हरदी, तेनुई, टिनिच, बभनगांवा, अंबरपुर, चकचई, गौर, बभनान, पचपेड़वा, हड़ही, तिवारीगंज, महाराजगंज आदि स्थानों से गुजरा, जहां पार्टी कार्यकर्ताओं ने फूल–मालाओं से उनका स्वागत किया। अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाया।

इस दौरान कई वरिष्ठ भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से राधेश्याम कमलापुरी, आनंद सिंह कलहंस, जटाशंकर शुक्ल, अरविंद सिंह, वरुण पांडेय, राजेश कमलापुरी, गौरव मणि त्रिपाठी, राजेश त्रिपाठी, रवि तिवारी, अंकुर मिश्र, पिंटू सोनकर, सुनील पांडेय, संतोष शुक्ल, अमित शुक्ल, विजय गुप्ता, प्रत्युष विक्रम सिंह, विनोद सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक

## किसानों के उत्पीड़न के विरोध में भाकियू ने राष्ट्रपति को भेजा 5 सूत्रीय ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर जिलाध्यक्ष गौरीशंकर चौधरी के नेतृत्व में किसान समस्याओं को लेकर बस्ती सदर तहसील परिसर में धरना दिया। धरने के बाद जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को 5 सूत्रीय ज्ञापन भेजा गया।

राष्ट्रपति को भेजे 5 सूत्रीय ज्ञापन में पंजाब में किसान आन्दोलन के दौरान किसानों पर अंधाधुन्ध बल प्रयोग रोकने, लोकतांत्रिक अधिकार बहाल किये जाने, जेल में बंद सभी किसानों को रिहा किये जाने, किसानों के ट्रैक्टर्स, ट्राली एवं अन्य उपकरणों को वापस कराये जाने, क्षतिग्रस्त या चोरी हुये सामान की भरपाई पंजाब सरकार द्वारा कराये जाने, अमेरिका सहित अन्य देशों के साथ मुक्त

## –किसानों की मांगे न मानी गई तो होगा निर्णायक आन्दोलन–अनूप कुमार

व्यापार समझौते के लिये जो वार्ता चल रही है उसे राष्ट्रीय हित में रोके जाने आदि की मांग शामिल है।

ज्ञापन देने के बाद भाकियू के पूर्वान्चल अध्यक्ष अनूप कुमार चौधरी, शोभाराम ठाकुर, महेन्द्र कुमार चौधरी, जयराम चौधरी, गौरीशंकर चौधरी, अशोक कुमार चौधरी, का. के.के. तिवारी आदि ने कहा कि देश का किसान लगातार बदहाली का शिकार है। केन्द्र और राज्य की सरकारें किसानों से वार्ता की जगह उनके आन्दोलनों को कुचल रही है। उन पर लाठियां बरसाकर जेल भेजा जा रहा है। उत्पीड़न की कार्रवाई से स्पष्ट है कि सरकारों का नजरिया किसान विरोधी है और नीतियां बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के दबाव में बनायी जा रही है। कहा कि यदि केन्द्र और राज्य सरकारों ने यदि किसानों के प्रति अपना रवैया न बदला तो राष्ट्र व्यापी आन्दोलन छेड़ा जायेगा।

धरना प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से रामकेवल वर्मा, रामचन्द्र सिंह, रामकृष्ण चौधरी, राम सागर, दीप नारायन, त्रिवेनी चौधरी, ब्रम्हदेव चौधरी, विनोद चौधरी, राधेश्याम चौधरी, तिलकराम, रामाज्ञा, रामशब्द चौधरी, रमेश चौधरी, रामफेर चौधरी, ओम प्रकाश के साथ ही भाकियू एवं अन्य संगठनों के पदाधिकारी, किसान, मजदूर शामिल रहे।

*"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स*

दैनिक
# भारतीय बस्ती
बस्ती 29 मार्च 2025 शनिवार

## सम्पादकीय

### किशोर और अपराध

दिल्ली के वजीराबाद इलाके में एक छात्र की हत्या को आए दिन होने वाले अपराधों के तौर पर ही देखा जाएगा। मगर यह घटना एक बार फिर इस बेहद चिंताजनक प्रवृत्ति को रेखांकित करती है कि देश में अब कम उम्र के बच्चों और किशोरों के व्यक्तित्व के विकास की दिशा किस ओर बढ़ चुकी है और अगर इसे तुरंत नहीं थामा गया तो आने वाले वक्त में समाज का स्वरूप कैसा होगा। गौरतलब है कि वजीराबाद में नौवीं के एक छात्र का अपहरण करके उसकी हत्या कर दी गई और उसके बाद अगले दिन उसके परिवार को फोन करके दस लाख रुपए की फिरौती मांगी गई।

पुलिस ने जब मामले की छानबीन शुरू की, तब इसे अंजाम देने के आरोपी तीन किशोर पकड़े गए। हालांकि पिछले कुछ वर्षों से गंभीर अपराधों में भी किशोरों की संलिप्तता के जैसे मामले सामने आ रहे हैं, उसमें यह घटना कोई आश्चर्य नहीं पैदा करती, लेकिन जिस स्तर पर कम उम्र के बच्चों के भीतर आपराधिक प्रवृत्तियों का दायरा फैल रहा है, उसमें यह बेहद चिंता की बात है कि आखिर वे कौन—से कारक हैं जो बच्चों को ऐसी मानसिकता की गिरफ्त में ले रहे हैं।

जिस दौर में देश के विकास को लेकर बड़े—बड़े दावे किए जा रहे हैं, उसमें समाज की बुनियाद रखने वाले किशोर उम्र के बच्चों की जिंदगी किस दिशा में बढ़ रही है। गुजरात के अमरेली जिले के एक प्राथमिक विद्यालय में 'डेयर गेम' खेलते हुए खुद को चोट पहुंचाने या फिर दस रुपए भुगतान करने की चुनौती देने के बाद पच्चीस बच्चों ने खुद को ब्लेड से घायल कर लिया। इस तरह की सोच का सिरा आगे कहां जाएगा? खुद को नुकसान पहुंचाने या फिर इससे आगे किसी जघन्य अपराध को अंजाम देने के लिए प्रेरित करने वाली प्रवृत्ति के स्रोत आखिर क्या हैं?

कई बार ऐसा लगता है कि मौजूदा दौर में आम जनजीवन में घुल गए या फिर जरूरतों में शामिल हो चुके तकनीकी संसाधन बच्चों के विवेक पर भी हमला कर रहे हैं और उनके भीतर सही—गलत के बारे में सोचने की प्रक्रिया बाधित हो रही है। वरना क्या कारण है कि जिन आधुनिक तकनीकों को विकास का मानक मान लिया जाता है, वही कई बार एक विचित्र सम्मोहन पैदा कर रहे हैं और कई किशोर उससे प्रभावित होकर अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए जघन्य अपराध करने से भी नहीं हिचकते। उनके भीतर कानून तक का खौफ नहीं होता।

विडंबना यह है कि जिस उम्र में बच्चों के खेलने—पढ़ने और भविष्य की बुनियाद रचने का दौर होता है, उसमें आज ऐसे किशोरों की संख्या में खासी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है जो अपने सामने की न केवल नकारात्मक, बल्कि आपराधिक प्रवृत्तियों और घटनाओं से भी प्रभावित हो रहे हैं। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अपने सामने परोसे जा रहे चकाचौंध के बीच वे कल्पनाएं बुनते हैं और कई बार ऐसे अपराधों को भी अंजाम देते हैं, जो उनके मौजूदा और भावी जीवन को तबाह कर देते हैं।

कोई वेब सीरीज देखने या वीडियो गेम खेलने के क्रम में बच्चे कब बेलगाम सपनों के संजाल में फंस कर अपराध के दलदल में दाखिल हो जाते हैं, यह पता नहीं चलता। अफसोस की बात यह है कि बच्चों और किशोरों की यह चिंताजनक दशा और दिशा न तो समाज और न ही सरकार की चिंता में शुमार है। यह बेवजह नहीं है कि जिन बच्चों को समाज और देश के बेहतर भविष्य के लिए उम्मीद की किरण माना जाता है, उनमें से कई अक्सर बड़ी समस्या के वाहक बन रहे हैं।

## हंसी पर हंगामा

स्टैंडअप कमीडियन कुणाल कामरा के शो के बाद जिस तरह से गुस्साए शिवसैनिकों ने आयोजनस्थल में तोड़फोड़ मचाई और उन्हें धमकियां दे रहे हैं, वह न केवल कानून—व्यवस्था के हालात पर प्रतिकूल टिप्पणी है बल्कि हास्य—व्यंग्य को बर्दाश्त करने की राजनीति की क्षमता पर भी सवाल उठाता है। अफसोस की बात है कि देश में ऐसे मामले बढ़ते जा रहे हैं, जिनमें आहत होती भावनाएं अभिव्यक्ति की आजादी पर भारी पड़ जाती हैं।

जहां तक मुंबई पुलिस की इस घटना पर प्रतिक्रिया का सवाल है तो यह अच्छी बात है कि उसने दोनों पक्षों की शिकायतों पर ध्यान दिया है। कमीडियन कुणाल कामरा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है तो तोड़फोड़ करने वालों के खिलाफ भी ध्दर्ज की गई है। लेकिन यह पहला ही कदम है। आगे उसकी जांच किस तरह से आगे बढ़ती है और दोनों पक्षों के खिलाफ कार्रवाई कैसी दिशा लेती है, यह देखना बाकी है।

इस पूरे प्रकरण का एक निराशाजनक नतीजा मुंबई के खार स्थित हैबिटेट कॉमेडी क्लब बंद किए जाने की घोषणा के रूप में सामने आया। क्लब के मालिकों के मुताबिक, जब भी किसी शो को लेकर विवाद होता है तो उन्हें टारगेट किया जाने लगता है। हालांकि शो के दौरान जो भी परफॉरमेंस होती है, उसके कंटेंट से उनका कोई लेना—देना नहीं होता। बहरहाल, इस तरह के क्लब का बंद होना कला और संस्कृति की उन्नत चेतना के लिए जाने जाने वाले महाराष्ट्र जैसे राज्य की छवि के लिए नुकसानदेह है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मामले में शो के कंटेंट पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि राज्य में कॉमेडी करने की स्वतंत्रता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कई कुछ भी बोले। इसमें दो राय नहीं कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी आती है। और हर कोई अपने बोले शब्दों के लिए कानून के आगे जिम्मेदार है। लेकिन क्या यह जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के लिए किसी ग्रुप को कानून अपने हाथ में लेने दिया जाएगा?

खबरों के मुताबिक, इस शो में निशाना महाराष्ट्र के उप—मुख्यमंत्री और शिवसेना के लीडर एकनाथ शिंदे को बनाया गया था। शो में कही गई बातों से सहमत होना कतई जरूरी नहीं है। लेकिन आखिरकार वह एक हंसी—मजाक का शो था और उसे इसी नजर से देखा जाना चाहिए।

# गौशाला और इत्र पार्क पर छिड़ी सियासी जंग

—अजय कुमार—

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने हाल ही में गौशालाओं को लेकर एक विवादास्पद बयान दिया, जिसमें उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी को दुर्गंधा पसंद है, इसलिए वे गौशालाएं बना रहे हैं, जबकि समाजवादी पार्टी सुगंधा पसंद करती है, इसलिए उन्होंने इत्र पार्क बनाए। इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई। बीजेपी ने इसे सनातन धर्म का अपमान बताया और कहा कि अखिलेश यादव की यह टिप्पणी हिन्दू परंपराओं का अपमान करने के बराबर है। बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि यह बयान न केवल गाय के सम्मान के खिलाफ है, बल्कि यह हिंदू संस्कृति और आस्था पर हमला भी है। उन्होंने यह भी कहा कि समाजवादी पार्टी अब पूरी तरह से वोट बैंक की राजनीति में उलझ चुकी है और इसी कारण इस तरह के बयान दिए जा रहे हैं।

अखिलेश यादव का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारियां जोरों पर हैं। इस बयान ने उनकी पार्टी के भीतर भी विवाद खड़ा कर दिया है। समाजवादी पार्टी के कई नेता सार्वजनिक रूप से तो कुछ नहीं बोल रहे, लेकिन पार्टी के अंदरखाने में असंतोष की स्थिति उत्पन्न हो गई है। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि गाय हमारी माता है और उनका सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का मूल आधार ही समाज के सभी वर्गों का सम्मान करना है और ऐसे बयानों से पार्टी की छवि प्रभावित होती है।

अखिलेश यादव पहले भी कई बार अपने बयानों के कारण विवादों में रह चुके हैं। हाल ही में उन्होंने राणा सांगा को लेकर भी एक विवादास्पद टिप्पणी की थी, जिससे उनकी पार्टी को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा, उन्होंने औरंगजेब को लेकर भी कुछ ऐसा कहा था जिससे हिंदू मतदाताओं में नाराजगी देखी गई। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अखिलेश यादव अपनी राजनीति को बचाने के लिए मुस्लिम वोट बैंक को साधने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनकी यह रणनीति उनके परंपरागत यादव वोट बैंक को नुकसान पहुंचा सकती है।

यादव समाज का गौ—सेवा से पुराना रिश्ता रहा है। महाभारत काल से लेकर आज तक यादव समुदाय में गाय को लेकर विशेष सम्मान देखा गया है। भगवान श्रीकृष्ण स्वयं यादव कुल में जन्मे थे और उनका जीवन गौ—सेवा में ही बीता। आज भी देश में यादव समुदाय गाय को लेकर अपनी भावनाएं प्रकट करता है और उसे अपनी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा मानता है। मुलायम सिंह यादव भी गौ—सेवा में विश्वास रखते थे और उन्होंने कई बार सार्वजनिक मंचों पर कहा था कि उनके पास जितनी गायें हैं उतनी किसी और नेता के पास नहीं होंगी। जब मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने गौशालाओं को लेकर कई योजनाएं भी बनाई थीं।

अखिलेश यादव के इस बयान पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे हिन्दू आस्था का अपमान बताते हुए कहा कि गाय भारतीय संस्कृति की आत्मा है और उसका अपमान सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव का बयान केवल राजनीति से प्रेरित है और यह समाज को बांटने की कोशिश है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी इस बयान की आलोचना की और कहा कि अखिलेश यादव अब पूरी तरह से अपनी राजनीतिक दिशा भूल चुके हैं और सिर्फ वोट बैंक की राजनीति में उलझे हुए हैं।

अखिलेश यादव का यह बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक दल अपनी रणनीति बना रहे हैं। बीजेपी अपनी हिंदुत्व की राजनीति को और मजबूत कर रही है और अखिलेश यादव के इस बयान ने बीजेपी को और आक्रामक बना दिया है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि अखिलेश यादव के इस बयान से उनका परंपरागत यादव वोट बैंक भी उनसे खिसक सकता है।

गाय और गौशालाओं को लेकर अखिलेश यादव के इस बयान से समाज के कई वर्गों में नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीण इलाकों में आज भी गौ—सेवा को विशेष महत्व दिया जाता है और इसे सनातन धर्म का हिस्सा माना जाता है। गाय के गोबर और गौमूत्र का उपयोग आयुर्वेदिक दवाओं और खेती में किया जाता है। कई भारतीय घरों में आज भी गौ—सेवा की परंपरा कायम है। ऐसे में अखिलेश यादव का बयान न केवल राजनीतिक रूप से नुकसानदायक हो सकता है, बल्कि यह समाज के एक बड़े वर्ग की भावनाओं को भी ठेस पहुंचा सकता है।

समाजवादी पार्टी के कुछ नेताओं ने अखिलेश यादव से अपील की है कि वे अपने बयान को स्पष्ट करें, ताकि इससे होने वाले संभावित नुकसान से बचा जा सके। यह भी संभव है कि आने वाले दिनों में अखिलेश यादव इस पर सफाई दें और कहें कि उनके बयान को तोड़—मरोड़ कर पेश किया गया है। यह पहला मौका नहीं होगा जब अखिलेश यादव को अपने बयान पर सफाई देनी पड़ी हो। इससे पहले भी वे कई बार अपने बयानों से पलट चुके हैं।

बीजेपी इस पूरे मुद्दे को भुनाने में लगी हुई है। बीजेपी के नेता इसे हिंदू आस्था से जोड़कर दिखा रहे हैं और अखिलेश यादव को हिंदू विरोधी साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। उत्तर प्रदेश में पहले ही समाजवादी पार्टी को मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए जाना जाता है और अब इस बयान के बाद बीजेपी को एक और मुद्दा मिल गया है। बीजेपी की आईटी सेल इस बयान को लेकर सोशल मीडिया पर जमकर प्रचार कर रही है और अखिलेश यादव की छवि को नुकसान पहुंचाने का हरसंभव प्रयास कर रही है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में यादव वोट बैंक का विशेष महत्व है। बीजेपी लंबे समय से यादवों को अपनी ओर आकर्षित करने की कोशिश कर रही है। मध्य प्रदेश में यादव मुख्यमंत्री बनाकर बीजेपी ने यह संदेश दिया था कि वे यादवों को भी सत्ता में उचित प्रतिनिधित्व दे रहे हैं। इसके अलावा, केंद्र सरकार में भी यादव समुदाय से कई मंत्री बनाए गए हैं। इन सबके जरिए बीजेपी यह बताना चाहती है कि समाजवादी पार्टी की तरह ही बीजेपी भी यादवों की हितैषी है। ऐसे में यदि अखिलेश यादव इसी तरह विवादित बयान देते रहे, तो यादव वोट बैंक का एक बड़ा हिस्सा बीजेपी की ओर जा सकता है।

उत्तर प्रदेश में राजनीति के जानकारों का मानना है कि अखिलेश यादव को अपने बयानों में सावधानी बरतनी चाहिए और ऐसे मुद्दों पर टिप्पणी करने से बचना चाहिए, जो समाज के एक बड़े वर्ग की भावनाओं को आहत कर सकते हैं। गाय भारतीय संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है, और उसके प्रति सम्मान व्यक्त करना सभी नेताओं की जिम्मेदारी होनी चाहिए। राजनीति में धर्म और आस्था से जुड़े मुद्दों पर बयान देते समय विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए, क्योंकि ऐसे मुद्दे लोगों की भावनाओं से सीधे जुड़े होते हैं।

अखिलेश यादव के इस बयान के बाद अब यह देखना दिलचस्प होगा कि वे इस पर क्या स्पष्टीकरण देते हैं और समाजवादी पार्टी इस पूरे विवाद को कैसे संभालती है। क्या अखिलेश यादव इस बयान से पीछे हटेंगे, या फिर अपने बयान पर कायम रहेंगे, यह देखना बाकी है। फिलहाल बीजेपी इस मुद्दे को छोड़ने के मूड में नहीं दिख रही और आने वाले चुनावों में यह बयान सपा के खिलाफ एक बड़े हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

समाजवादी पार्टी के लिए यह समय राजनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण है। अगर अखिलेश यादव सही रणनीति नहीं अपनाते हैं, तो आगामी चुनावों में उन्हें नुकसान उठाना पड़ सकता है। बीजेपी पूरी तरह से हिंदुत्व की राजनीति को धार देने में लगी हुई है और ऐसे में अखिलेश यादव के इस तरह के बयान बीजेपी को ही फायदा पहुंचा सकते हैं।अंततः यह स्पष्ट है कि राजनीति में बयानबाजी करते समय नेताओं को सतर्क रहना चाहिए, ताकि उनके शब्द समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचाएं और किसी की भावनाओं को ठेस न पहुंचे।

# उ. कोरिया का आत्मघाती ड्रोन और भारत

—पुष्परंजन—

उत्तर कोरिया ने रूस से पहले टोही ड्रोन मंगाया। उद्देश्य सीमाओं पर निगरानी का था। अब वो टोही ड्रोन आत्मघाती अस्त्र के रूप में परिवर्तित हो चुके हैं, जिनका परीक्षण गुरुवार को हुआ। आत्मघाती ड्रोन, जिसे 'लोइटरिंग म्यूनिशन' के नाम से भी जाना जाता है, तब तक हवाई क्षेत्र में 'घूमने' या कब्जा करने में सक्षम होता है, जब तक कि कोई लक्ष्य दिखाई न दे। फिर वह अपने पेलोड के साथ वहां दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है। ड्रोन खत्म, और टारगेट बच गया। इस सप्ताह परीक्षण किए गए नए 'सैटब्योल—4' संस्करण में पिछले मॉडल की तुलना में लंबे पंख हैं। उत्तर कोरियाई लड़ाकू ड्रोन आखिरी बार पिछले साल नवंबर में एक हथियार प्रदर्शनी में सार्वजनिक रूप से दिखाई दिया था। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से गाइडेड उत्तर कोरियाई आत्मघाती ड्रोन अमेरिका के लिए भी चिंता का विषय है। गोकि, उत्तर कोरिया के सैन्य सम्बन्ध पाकिस्तान से भी काफी पुराने हैं, समय—समय पर इस्लामाबाद के मिसाइल प्रोग्राम में प्यॉंगयांग की मदद दिखाई देती रहती है, चुनांचे चिंता दिल्ली को भी होनी चाहिए।

गुरुवार को उत्तर कोरियाई तानाशाह किम ने भूमि और समुद्र पर लक्ष्यों को ट्रैक करने में सक्षम उन्नत टोही ड्रोन का निरीक्षण किया, साथ ही हाल ही में अनावरण किए गए एयरबोर्न अर्ली—वार्निंग (एईडब्ल्यू) विमान का भी निरीक्षण किया। उत्तर कोरिया अपने मौजूदा भूमि—आधारित रडार सिस्टम को बढ़ा रहा है। कोरियन सेन्ट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) द्वारा प्रकाशित तस्वीरों के अनुसार, उन्हें रडार डोम वाले एक बड़े चार इंजन वाले विमान की जांच करते देखा गया, जिसके बारे में माना जाता है कि यह एक संशोधित रूसी आईएल—76 कार्गो विमान है।

परीक्षण के दौरान प्राप्त तस्वीरों में फिक्स्ड—विंग आत्मघाती ड्रोन को अमेरिकी और दक्षिण कोरियाई टैंकों, बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों और मिसाइल लॉन्च वाहनों के मॉकअप पर हमला करते हुए दिखाया गया है। एक फर्स्ट—पर्सन व्यू क्वाडकॉप्टर—स्टाइल ड्रोन भी लक्ष्य पर गोला—बारूद गिराता हुआ दिखाई दिया। राज्य मीडिया ने ड्रोन की उपस्थिति को अस्पष्ट करने के लिए उन्हें पिक्सेल किया। लेकिन जिस तरह अमेरिकी और दक्षिण कोरियाई टैंकों, बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों के मॉडल पर यह परीक्षण किया गया, उसने अमेरिका की परेशानी बढ़ा दी है। जून, 2023 में पहली बार उत्तर कोरिया ने सैटब्योल—4 टोही ड्रोन, और सैटब्योल—9 लड़ाकू यूएवी के डेवलप किये जाने का खुलासा किया था। उत्तर कोरिया ने साल 2024 में फ्योंगयांग में आयोजित हथियार एक्सपो में उत्तर कोरिया ने छह हमलावर ड्रोन दिखाए, जो इस्राइल और तुर्की के डिजाइनों की नकल करते थे।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिन वोन—सिक ने नवंबर 2024 में कहा था कि मॉस्को ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध में मदद के लिए सैनिकों को तैनात करने के बदले में प्योंगयांग को एंटी—एयर मिसाइल और अनिर्दिष्ट वायु रक्षा उपकरण प्रदान किए थे। दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के अनुसार, शुरू में रूस को भेजे गए 11,000 उत्तर कोरियाई सैनिकों में से लगभग 4,000 मारे गए, या घायल हो गए। माना जाता है, कि यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध में तैनात उत्तर कोरियाई सैनिकों ने ड्रोन युद्ध में भाग लिया था, जिससे उन्हें युद्ध के मैदान का बहुमूल्य अनुभव प्राप्त हुआ। वाणिज्यिक उपग्रह इमेजरी का उपयोग करते हुए, विश्लेषकों ने पहले बता दिया था कि उत्तर कोरिया एक रूसी निर्मित आईएल—76 कार्गो विमान को पूर्व—चेतावनी भूमिका के लिए परिवर्तित कर रहा था।

उत्तर कोरियाई न्यूज एजेंसी 'केसीएनए' ने गुरुवार को कहा कि किम ने टोही, खुफिया जानकारी जुटाने, इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग और हमला प्रणालियों के लिए नए विकसित उपकरणों का अलग से निरीक्षण किया। तस्वीरों में फिक्स्ड—विंग यूएवी को टैंक के आकार के लक्ष्य पर निशाना साधते हुए दिखाया गया और फिर आग की लपटों में विस्फोट हो गया। परीक्षण के दौरान यूएस आरक्यू—4 ग्लोबल हॉक के टरमैक पर खड़े तानाशाह किम के जो फोटो शेयर किये गए, उससे यही सन्देश जाता है कि हमारे पास अब आत्मघाती ड्रोन है, कर लो जो करना है। उत्तर कोरिया कितना ढीठ है, उसका छोटा—सा उदाहरण 5 जनवरी, 2025 को तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन दक्षिण कोरिया यात्रा के समय देख सकते हैं, तब उसने पूर्वी सागर में मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल दागकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

आत्मघाती या कामिकाजे ड्रोन का विकास नया नहीं है। इस्राइल के 1982 के 'ऑपरेशन मोल क्रिकेट 19' में, ऐसे यूएवी का इस्तेमाल किया था। 1980 के दशक में, अमेरिका ने भी 'आईएआई हार्पी' और 'एजीएम —136 टैसिट रेनबो' जैसे कार्यक्रमों के जरिये आत्मघाती ड्रोन विकसित कर लिये थे। 2000 के दशक से, अपेक्षाकृत लंबी दूरी के हमलों के वास्ते लोइटरिंग हथियारों का विकास किया गया। रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण में 'जेड.एल.ए. लैंसेट' और हेसा शहीद 136 सहित कई शहीद ड्रोन का इस्तेमाल किया गया है, जबकि यूक्रेन ने यूजे—25 स्काईलाइन और अमेरिकी निर्मित एयरोविरोनमेंट स्विचब्लेड जैसे घूमने वाले हथियारों को तैनात किया है, जिसे प्लाटून, और दूसरा बैकपैक में फिट किया जाता है। 2022 में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण शुरू होने के बाद, रूसी और यूक्रेनी दोनों सेनाएं अक्तूबर, 2023 तक हर महीने हजारों एफपीवी ड्रोन का उत्पादन कर रही थीं। 2022 में ब्रिटेन ने घोषणा की थी, कि वह यूक्रेन को 'सैकड़ों लोइटरिंग एम्यूनिशन' प्रदान कर रहा है। रूस द्वारा ईरान निर्मित शाहद ड्रोन का उपयोग और यूक्रेन द्वारा तुर्की के बायरकटर टीबी2 ड्रोन की सफल तैनाती ने इन तकनीकों की प्रभावशीलता को प्रदर्शित किया है। मध्य पूर्व में, इस्राइल ने सटीक हमले करने के लिए 23 किलोग्राम पेलोड ले जाने में सक्षम हारोप लोइटरिंग म्यूनिशन पर भरोसा किया है। इस बीच, रूस द्वारा बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किए जाने वाले ईरान के शाहेद—136 ड्रोन ने साबित कर दिया है कि सस्ते, बड़े पैमाने पर उत्पादित ड्रोन परिष्कृत वायु रक्षा प्रणालियों को भी मात दे सकते हैं।

सबसे बड़ा सवाल है, पाकिस्तान का सैन्य साझीदार उत्तर कोरिया जिस तरह से आत्मघाती ड्रोन विकसित करने में सफल हुआ है, क्या भारत को इसकी चिंता करनी चाहिए? भारतीय सेना को हाल ही में नागपुर स्थित रक्षा निर्माण फर्म सोलर इंडस्ट्रीज द्वारा निर्मित 480 लोइटरिंग हथियार प्राप्त हुए हैं, जिनमें 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री है। अधिकारियों ने कहा कि यह प्रणाली उद्देश्य सेना के जवानों द्वारा सटीक हमला करने की क्षमताओं को बढ़ाती है। 2025 की शुरुआत में पाकिस्तान ने भी कम दूरी की मुठभेड़ों में सटीक हमला करने के लिए डिजाइन किया गया अपना नवीनतम ड्रोन 'ब्लेज 25' पेश किया है, जिसका वजन 25 किलोग्राम है। यह देखते हुए, भारत को चाहिए, कि वह अपने लोइटरिंग हथियार विकास कार्यक्रम में तेजी लाये!—लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

# कैसे खत्म हो पाएगा लाल आतंक

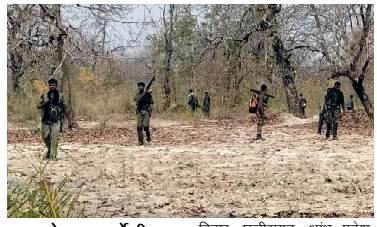

— उमेश चतुर्वेदी—

इसे संयोग कहें या कुछ और, बीते 21 मार्च को जब छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर में सुरक्षा बलों के हाथों तीस नक्सली मारे गए, उसी वक्त केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह संसद में नक्सलवाद के सफाए का ऐलान कर रहे थे। अमित शाह का कहना था कि अगले 375 दिनों में नक्सलवाद का सफाया हो जाएगा। अगर तारीखों के हिसाब से कहें तो केंद्र सरकार ने 31 मार्च 2026 तक कभी लाल आतंक के नाम से कुख्यात रहे नक्सलवाद के सफाए का लक्ष्य रखा है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या सचमुच नक्सलवाद आखिरी सांसे ले रहा है और जल्द ही आतंक का पर्याय रही ये विचारधारा अतीत बन जाएगी।

साल 2025 के अभी तीन महीने ही गुजरे हैं, लेकिन इस बीच नक्सलवाद को लेकर जो आंकड़े सामने हैं, उनसे तो लगता यही है कि नक्सलवाद अब गिने—चुने दिनों की ही बात है। केंद्रीय गृहमंत्रालय के आंकड़ों पर भरोसा करें तो बीते तीन महीनों में ही सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 119 नक्सली मारे जा चुके हैं। नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों को यह कामयाबी सिर्फ 10 मुठभेड़ों में ही मिली है। बीते साल यानी 2024 में मुठभेड़ों में 239 नक्सली मारे गए थे। यानी सिर्फ सवा साल की अवधि में ही 358 नक्सली मारे जा चुके हैं। इतने नक्सलियों का मारे जाने और भारी संख्या में नक्सलियों के आत्म समर्पण करने का संकेत साफ है कि अब नक्सलियों की कमर टूटती जा रही है। शायद यही वजह है कि अमित शाह संसद में पूरे आत्मविश्वास के साथ ऐलान कर रहे हैं कि नक्सलवाद देश में आखिरी सांसे गिन रहा है।

साल 2010 के आंकड़ों के हिसाब से देश के तकरीबन छठवें हिस्से में नक्सलवाद का प्रभाव था। झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश तक नक्सलवाद फैला हुआ था। गृहमंत्रालय के आंकड़ों के हिसाब से तब देश के 96 जिलों में आतंकवाद का खूनी पंजा फैला हुआ था। यूं तो हर सरकार नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाती रही है, लेकिन इसमें तेजी केंद्र में मोदी सरकार के आने के बाद आई। नक्सलवाद को ज्यादातर सरकारें कानून और व्यवस्था का मामला मानती रहीं, उसके जिम्मेदार सामाजिक कार्यों को किनारे रखा जाता रहा। मोदी सरकार ने इसे कानून और व्यवस्था का मामला तो माना, लेकिन उसके साथ ही इसे सामाजिक नजरिए से भी देखना शुरू किया।

नक्सलवाद को लेकर कहा जाता रहा है कि जहां विकास नहीं पहुंचा, जहां शोषण की अर्थव्यवस्था रही, वहीं नक्सलवाद को पनपने का ज्यादा मौका मिला। शायद इसी वजह से नक्सल प्रभावित इलाकों में विकास के पहिये को तेजी से दौड़ाने की तैयारी हुई। सड़कों और रेल लाइन की पहुंच नक्सल प्रभावित इलाकों में बढ़ाने की शुरुआत हुई। बीते आठ वर्षों में 10718 करोड़ की लागत से नक्सल प्रभावित इलाकों में करीब 9356 किमी सड़कों का निर्माण किया गया। इन इलाकों में तैनात केंद्रीय बलों तैनात केंद्रीय बलों द्वारा स्थानीय आबादी के लिए जहां स्वास्थ्य शिविर लगाए जाने शुरू हुए, वहीं उन्हें मुफ्त में जरूरी दवाएं दी जाने लगीं। इसी तरह उन इलाकों में पेयजल सुविधा बढ़ाने, सोलर लाइट की सुविधा देने के साथ ही खेती के उपकरण और बेहतर बीच आदि देने की कोशिश तेज हुई। गृहमंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, साल 2014 से अब तक इन मदों में नक्सल प्रभावित इलाकों में करीब 140 करोड़ रुपये के काम किए जा चुके हैं।

# चचेरी बहन को इलाज के बहाने गांव से शहर लाया, होटल में नशीली दवा खिलाकर किया रेप



**संवाददाता—देवरिया।** किशोरी की शिकायत का पता चलने के बाद गांव में खलबली मच गई। एएसपी समेत अन्य अधिकारियों ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। पीड़िता रिश्ते में आरोपी की चचेरी बहन है। हर कोई इस घटना को लेकर हैरान है। इस मामले में गुरुवार की देर रात तक कार्रवाई चलती रही।

जिले में भाई—बहन के रिश्ते को कलंकित करते हुए एक चचेरे भाई ने अपनी चचेरी बहन के साथ रेप कर दिया। वह बहन को इलाज के बहाने गांव से शहर लाया। यहां एक होटल में नशीली दवा खिलाकर उसने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। मामला सामने आने और देर रात किशोरी की शिकायत का पता चलने के बाद गांव में खलबली मच गई। एएसपी समेत अन्य अधिकारियों ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। पीड़िता रिश्ते में आरोपी की चचेरी बहन है इसलिए हर कोई इस घटना को लेकर हैरान है। आरोपी एक जिला पंचायत सदस्य का पति बताया जा रहा है।

पीड़ित लड़की देवरिया के सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है। गांव में आरोपी युवक की अच्छी खासी प्रतिष्ठा है। इसी का लाभ उठाते हुए वह किशोरी को उपचार कराने के बहाने अपने साथ गांव से देवरिया शहर में ले आया।

आरोप है कि यहां सोनूघाट के पास आरोपी ने किशोरी को नशीली दवा खिला दिया और फिर एक होटल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद वह किशोरी को लेकर घर चला गया। घर पहुंचकर पीड़िता ने यह बात जब परिजनों को बताई तो वे परेशान हो गए।

एएसपी अरविंद कुमार वर्मा ने बताया कि घटना 6 मार्च की है। पीड़िता की तरफ से तहरीर मिली है, आरोपी के विरूद्ध केस दर्ज किया जा रहा है। आरोपी की गिरफ्तारी को टीम लगी है। घटना को लेकर होटल के सीसी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। उधर, कई दिन बाद सामने आई इस घटना को लेकर गांव में लोग हैरान हैं। लोगों के बीच इस घटना को लेकर तरह—तरह की चर्चाएं हो रही हैं। लोग हैरान हैं कि समाज में अच्छी प्रतिष्ठा रखने वाले इस शख्स ने अपनी ही चचेरी बहन के साथ ऐसी घिनौनी वारदात को कैसे अंजाम दे दिया।

# न्यायिक क्षेत्र से जुड़े करियर इस बेहद डिमांड —पूर्णेन्दु

**संवाददाता—महराजगंज।** जवाहर नवोदय विद्यालय महराजगंज में न्यायिक क्षेत्र में करियर और संविधान में महिलाओं के अधिकार विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता करियर काउंसलर पूर्णेन्दु शुक्ल तथा गोरखपुर विश्वविद्यालय के विधि विभाग की सहायक आचार्य डॉ. वंदना सिंह रहीं। करियर काउंसलर पूर्णेन्दु शुक्ल ने बताया कि भारत में न्यायिक क्षेत्र से जुड़े करियर इस समय बेहद मांग में हैं। पहले जहां इस क्षेत्र में पारम्परिक रूप से वकालत या न्यायाधीश ही करियर के रूप में उपलब्ध था, वहीं अब विधि के छात्र बड़ी—बड़ी कंपनियों में अच्छे पैकेज पर काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आज साइबर कानून, पर्यावरण कानून, इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स कानून, कॉर्पोरेट आदि क्षेत्रों में विधि विशेषज्ञों की बहुत मांग है। पूर्णेन्दु शुक्ल ने विधि की शिक्षा के लिए प्रवेश प्रक्रिया, सबसे अच्छे कॉलेज और इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर पर विस्तार से बताया। डॉ. वंदना सिंह ने बताया कि हमारा संविधान सभी नागरिकों को समानता, स्वतंत्रता और गरिमा प्रदान करता है। महिला अधिकार के विषय में बताते हुए उन्होंने कहा कि संविधान के विभिन्न अनुच्छेदो के तहत, महिलाओं और पुरुषों को समान अधिकार दिए गए हैं। अनुच्छेद 16 रोजगार के अवसरों में लैंगिक भेदभाव को रोकता है। संविधान महिलाओं को स्वतंत्रता, शिक्षा, और सुरक्षा का अधिकार देता है। हमें अपने अधिकारों को समझकर उनका उपयोग करना चाहिए और एक समान समाज के निर्माण में योगदान देना चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य राकेश राय ने अतिथियों का आभार जताया। कहा कि नवोदय विद्यालय के स्थापना की मंशा ही समान अवसर प्रदान करना तथा वंचित वर्ग को उसके अधिकार के लिए जागरूक करना है। इस प्रकार की कार्यशाला भविष्य में भी आयोजित की जाती रहेंगी।

# मम्मी—पापा मुझे माफ करना, सुसाइड नोट में फिर फंदे से झूल गई युवती

**संवाददाता—श्रावस्ती।** शुक्रवार की सुबह सुसाइड नोट लिख युवती ने खुदकुशी कर ली। घरवालों ने फंदे से लटकती लाश देखी तो चीख उठे। एक महीने बाद बरात आनी थी। घर पर इसकी तैयारियां चल रही थीं। युवती ने सुसाइड नोट में दहेज की खातिर जान देनी की बात लिखी। लिखा कि लड़के वाले दहेज में पांच लाख नकद मांग रहे हैं। हमारे मां—बाप गरीब हैं। इसलिए, मैं जान दे रही हूं। मामला मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम खांवा खुर्द का है। गांव निवासी रामकुमार वर्मा उर्फ डिप्टी को तीन बेटी एवं एक बेटा है। इनमें लक्ष्मी वर्मा (18), गायत्री (14), सावित्री (12) एवं अमित (9) है। रामकुमार ने अपनी पुत्री लक्ष्मी का विवाह नेपाल राष्ट्र के हुलासपुरवा ककरदरी निवासी अवधेश वर्मा के पुत्र रोहित वर्मा से तय किया था। 29 अप्रैल को लक्ष्मी व रोहित का विवाह होना था। घर में इसकी तैयारी



चल रही थीं। शुक्रवार सुबह करीब 7.30 बजे लक्ष्मी ने अपने कमरे की छत में लगे कुंडे से दुपट्टे से फंदा लगाकर जान दे दी। आत्महत्या से पूर्व लक्ष्मी ने एक सुसाइड नोट लिखा। इसमें लिखा कि श्मेरी शादी 29 अप्रैल 2025 को होनी थी। लेकिन, दहेज के लिए हमें यह करना पड़ा। मेरे मां—बाप बहुत गरीब हैं। किसी तरह से बीए तक पढ़ाएं हैं। शादी के लिए लड़का देखे जो केवल आठ तक पढ़ा हुआ है।

दहेज में पांच लाख रुपये नकद मांगते हैं। मेरे मां—बाप के पास इतना रुपया नहीं है। इसलिए, मैं फांसी लगाने के लिए मजबूर हूं। दहेज की खातिर लड़कियों की जिंदगी खराब है। शादी की सारी व्यवस्था हो गई, इसका रुपया लड़के को देना पड़ेगा। मेरे पापा—मम्मी और दादा जी माफ करना मुझे। लड़के के नाम रोहित वर्मा है। उसके पिता अवधेश वर्मा, ग्राम हुलास पुरवा, ककरदरी, नेपाल हैं।

# सड़क हादसे में घायल दो और नेपाली युवकों की मौत





**संवाददाता—बलरामपुर।** सड़क हादसे में घायल दो और नेपालियों की शुक्रवार को मौत हो गई। जबकि तीन लोगों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर किया गया है। हादसा छह दिन पहले जरवा कोतवाली के नगई मोड़ के पास हुआ था। यहां साइकिल सवार को बचाने के चक्कर में स्कॉर्पियो हादसे का शिकार हो गई थी। उस दिन एक युवक की मौत हो गई थी।

नेपाल के दांग तुलसीपुर से स्कॉर्पियो 22 मार्च को वाराणसी जा रही थी। स्कॉर्पियो में चालक सहित 10 लोग बैठे थे। कोतवाली जरवा के नगई मोड़ के पास साइकिल सवार को बचाने के चक्कर में स्कॉर्पियो सड़क के किनारे पेड़ से टकरा गई। एंबुलेंस से सभी घायलों को सीएचसी तुलसीपुर भर्ती कराया गया।

सीएचसी तुलसीपुर के डॉक्टर ने दांग तुलसीपुर निवासी प्रवीण खत्री (66) को मृत घोषित कर दिया था। दूसरे दिन जिला मेमोरियल अस्पताल में इलाज के दौरान धनबलि व युवराज की मौत हो गई है। हालत गंभीर होने पर दांग तुलसीपुर निवासी जय बहादुर (84), लालमोती (65) और कैलाशी (35) मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया है।

घायल नौमैत्री (50) का जिला मेमोरियल अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। एएसपी योगेश कुमार ने बताया कि घटना में अन्य तीन लोगों को हल्की चोट लगी थी। इनका उपचार करके घर भेज दिया गया था। घटना के कारणों की छानबीन कराई जा रही है।

# अलविदा की नमाज में मांगी अमन—चैन की दुआ

**संवाददाता—महराजगंज।** माह—ए—रमजान के आखिरी शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मस्जिदों में अलविदा की नमाज अदा की। रोजेदारों ने मुल्क की बेहतरी और अमन चौन की दुआ मांगी। सुरक्षा को लेकर पुलिस सतर्क रही। संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी की गई।

जनपद के नौतनवा, परतावल, घुघुली, निचलौल, पनियरा, फरेंदा, धानी, बृजमनगंज, लक्ष्मीपुर, मिठौरा, सिंदुरिया आदि मस्जिदों में रमजान महीने के आखिरी जुमे को अलविदा की नमाज अकीदत के साथ अदा की गई। मुस्लिम समाज के लोगों ने रमजान महीने के आखिरी अशरे की नमाज अदा की।

सिंदुरिया स्थित हुसैनिया मस्जिद में इमाम हाफिज अब्दुल रज्जाक ने नमाज अदा कराई। हाजी मौलाना मोहम्मद हुसैन निजामी ने कहा कि रमजान का महीना रुखसत (विदा होना) हो रहा है। इस्लाम के मुताबिक रमजान महीने के तीसरे अशरे (हिस्सा) जहन्नम से आजादी का रोजा चल रहा है। इसमें भूखों को खाना खिलाएं, जरूरतमंदों की मदद करें और रोजेदारों को इफ्तार कराएं, इससे खुदा राजी (खुश) होकर अपने बंदों (मानने वालों) को दिल से मांगी हुई दुआ को कुबूल करता है। उन्होंने कहा कि रमजान महीने के आखिरी जुमे को अलविदा या जुमातुल विदा कहा जाता है। यूं तो इस माह के हर दिन की अहमियत है। रमजान के आखिरी जुमे की नमाज से रमजान के समापन का संदेश मिलता है। रहमत भरा महीना जाने के गम में अलविदा—अलविदा माह—ए—रमजान अलविदा कहा जाता हैं। ईद के आने की खुशी जहां लोगों में होती है, वहीं इस रहमत भरे महीने के जाने का गम भी होता है। अलविदा के माने रुखसत करना है।

# कार्यालय नगर पालिका परिषद, बस्ती

## सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा निम्नलिखित भवन स्वामियो/क्रेतागणों तथा अन्य व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि निम्न भवनों के नाम परिवर्तन की कार्यवाही नगर पालिका परिषद बस्ती में बिचाराधीन है सम्बन्धित पक्षो को धारा 147 (2) की नोटिस भेजी जा चुकी है आपत्तिकर्ता सम्पूर्ण प्रमाण सहित विज्ञापन प्रकाशित होने के दिनांक से 30 दिन के अन्दर अपना पक्ष/आपत्ति नगर पालिका परिषद बस्ती के कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा सहनियम कार्यवाही करते हुए प्रकरण निस्तारित कर दिया जायेगा।

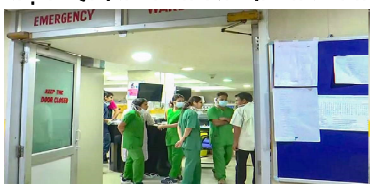

| क्र0 | प्रापर्टी आई0डी0 | आवेदन संख्या | वर्तमान नाम | प्रास्तावित नाम | | अधार |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | | 6 |
| 1 | 0951701002035623R/ | PM5172425003437/ | त्रिबेनी प्रसाद गुप्ता पुत्र स्व0 श्री हीरालाल | अजय कुमार बरनवाल विजय कुमार बरनवाल | त्रिवेनी प्रसाद बरनवाल | रजि० वसीयत |
| 2 | 0951701004020784R/ | PM5172425003442/ | श्रीचन्द्र पुत्र मिश्रीलाल | खुशबू | विशनु कुमार | रजि० वसीयत |
| 3 | 0951701006022865R/ | PM5172425003440/ | श्रीमती आशा त्रिपाठी पत्नी धीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी | धीरेंद्र प्रसाद त्रिपाठी | राम लखन त्रिपाठी | वारिसान |
| 4 | 0951701008034294R/ | PM5172425003441/ | शिवपूजनपुत्र श्री राम | सुग्रीव | शिव पूजन | वारिसान |
| 5 | 0951701007029652R/ | PM5172425003438/ | हरीराम पुत्र महावीर प्रसाद | ओमकार प्रसाद जायसवाल | हरीराम | वारिसान |
| 6 | 0951701004038033R/ | PM5172425003436/ | श्री वेद प्रकाश पुत्र स्व० रामकिशुन | रजनीश सोनी | ईश्वर शरन | रजि० सेल डीड |
| 7 | 0951701005020364R/ | PM5172425003435/ | कलावती देवी पत्नी विद्या प्रसाद | आदित्य कुमार | संजय कुमार | रजि० सेल डीड |
| 8 | 0951701008033135R/ | PM5172425003433/ | डॉ. प्रभाकर त्रिपाठी पुत्र पं. हरिराज त्रिपाठी | दूध नाथ मिश्रा | जगदीश मिश्रा | रजि० वसीयत |
| 9 | 0951701004026216R/ | PM5172425003434/ | ईश्वर दयाल पुत्र सूर्य नारायण लाल एवं श्रीमती दमयन्ती देवी पत्नी श्री परमात्मा प्रसाद | परमात्मा प्रसाद श्रीवास्तवा | सूर्य नरायनलाल | वारिसान |
| 10 | 0951701004023879R/ | PM5172425003430/ | रामचन्द्र, पारस पुत्र रामबली | राजेंद्र प्रसाद तिवारी | राम चन्द्र | वारिसान |
| 11 | 0951701005035911R/ | PM5172425003426/ | पुष्पा देवी वर्मा पत्नी सत्य राम चौधरी | वीनू वर्मा | अनुराग वर्मा | वारिसान |
| 12 | 0951701006031127R/ | PM5172425003425/ | श्रीमती. सावित्री देवी पत्नी स्वर्गीय श्री सुदामा लाल श्रीवास्तव | प्रवीन कुमार श्रीवास्तव | सुदामा लाल श्रीवास्तव | वारिसान |
| 13 | 0951701004026825R/ | PM5172425003422/ | रसीदन पत्नी झीनक | अकबर अली | झीनक | वारिसान |
| 14 | 0951701006031164R/ | PM5172425003420/ | श्रीमती सुशीला देवी पत्नी स्व० राम गोपाल | रश्मि श्रीवास्तवा | सत्यार्थ प्रकाश श्रीवास्तव | रजि० वसीयत |
| 15 | 0951701004024057R/ | PM5172425003414/ | मनोज कुमार, रवीश कुमार पुत्र विश्वनाथ | रविश कुमार | विश्वनाथ | रजि० सेल डीड |
| 16 | 0951701008035010R/ | PM5172425003415/ | श्री आशिक अली पुत्र खलील | मोहम्मद खलील | आशिक अली | वारिसान |
| 17 | 0951701001037657R/ | PM5172425003453/ | श्री रमेश कुमार पुत्र स्व० जटाशंकर | मीरा देवी रौनियार शालिनी रौनियार आकाश रौनियार | रमेश कुमार रौनियार | वारिसान |

**अधिशाषी अधिकारी**

**नगर पालिका परिषद, बस्ती**

पत्रांकः—7990A /न0पा0प0 बस्ती/कर अनुभाग/विज्ञप्ति/2024—25 दिनांकः—28 मार्च 2025

# रमजान के आखिरी शुक्रवार को अदा की गई अलविदा की नमाज

**संवाददाता—श्रावस्ती।** रमजान के आखिरी शुक्रवार को अलविदा की नमाज अदा की गई। नमाज के दौरान मस्जिदों के आस पास भारी सुरक्षा व्यवस्था रही। वहीं अधिकारी दिन भर भ्रमण करते रहे। नमाज पढ़ने के लिए मस्जिदों में भारी भीड़ रही। शुक्रवार को दोपहर से पहले की मस्जिदों में भीड़ इकट्ठी हो गई और शांति पूर्वक नमाज अदा करने के बाद लोग घरों को चले गए। नमाजियों की संख्या में बढ़ोतरी होने के कारण मस्जिद इंतजामिया कमेटियों की ओर से वजू का पानी बेहतर इंतजाम किया गया था। भिनगा में ईदगाह में शांति पूर्ण तरीके से नमाज पढ़ी गई। जामा मस्जिद लक्ष्मनपुर बाजार में हाफिज व कारी मोहम्मद अहमद ने नमाज ए अलविदा जुमा अदा कराई। जबकि मदीना मस्जिद में हाफिज मोहम्मद अरफात रजा ने अलविदा जुमा की नमाज अदा कराई। नमाज ए अलविदा जुमा को लेकर मुस्लिम मोहल्लों में सुबह से पहले उत्साह देखा गया। इसी तरह से इकौना में अलविदा की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से अदा की गई। इकौना नगर में पांच पीरान जामा मस्जिद, सिकली मस्जिद, मनिहारी मस्जिद, मिली मस्जिद सहित अन्य मस्जिदों में अलविदा की नमाज पढ़ी गई। इस मौके पर अधिकारी भ्रमण करते रहे।

थाना हरदत्त नगर गिरंट क्षेत्र में शुक्रवार को अलविदा नमाज कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अदा की गई। पिरबितनी दरगाह शरीफ पर अलविदा की नमाज पढ़ने के लिए काफी भीड़ रही। इसी तरह से हरदत्त नगर गिरंट, पटपरगंज, देवरनिया, तिवारी गांव,चौरी कोटिया, हरबंशपुर, इमलिया करनपुर आदि सहित क्षेत्र में अलविदा की नमाज शांति पूर्वक पढ़ी गई।

# 15वां श्री राम महायज्ञ 30 मार्च से होगा प्रारंभ

**—भारतीय बस्ती संवाददाता—**

अयोध्या। परम तपस्वी अमरकंटक के तपोनिष्ठा संत कायाकल्पी बर्फानी दादा महाराज के आदेश से भगवान श्री राम के जन्मोत्सव पर श्री राम मंदिर निर्माण में आने वाली बाधाओं और शीघ्र मंदिर निर्माण संकल्प के साथ 2010 में प्रारंभ श्रीराम महायज्ञ, अखंड दुर्गा सप्तशती पाठ, श्री राम नाम संकीर्तन एवं श्री रामचरितमानस अखण्ड पाठ का 15 वां महायज्ञ महोत्सव 30 मार्च से अखिल भारतीय पंच तेरह भाई त्यागी खालसा खघक चौक और सिद्धपीठ संकट मोचन हनुमान किला पीठाधीश्वर महंत परशुराम दास महाराज के संयोजन में और हनुमान जी महाराज की अध्यक्षता में सिद्धपीठ संकट मोचन हनुमान किला धर्म पाथ बाईपास अयोध्या धाम में 30 मार्च से प्रारंभ होगा जो 7 अप्रैल को बृहद भंडारे के साथ समाप्त होगा। 15 वें वर्ष में श्रीराम महायज्ञ के साथ सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा की भी अमृत वर्षा होगी।

श्री राम महायज्ञ के संयोजक महंत परशुराम दास महाराज ने बताया कि 2019 के पहले मंदिर—निर्माण संतों का आंदोलन चल रहा था और मंदिर निर्माण के लिए श्री राम महायज्ञ का शुभारंभ हुआ जो मंदिर निर्माण के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है, कोरोना कल में भी परिसर के अंदर अनुष्ठान किया गया था।

मंदिर निर्माण बाद पूरे विश्व में राम राज्य स्थित हो यह संकल्प बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि रामराज्य का मतलब विश्व में शांति, एक देश के नागरिक दूसरे देश के नागरिक के साथ प्रेम व्यवहार करें और सभी लोग शाश्वत सनातन धर्म का पालन करें इसी उद्देश्य से भगवान के जन्मोत्सव पर श्री राम महायज्ञ अखंड दुर्गा सप्तशती पाठ, श्री राम नाम संकीर्तन और श्री रामचरितमानस का पाठ किया जाता हैं। इस वर्ष यज्ञ के साथ श्रीमद्भागवत कथा भी होगी, जिसका शुभांरभ 30 मार्च को वैदिक विद्वानों द्वारा किया जाएगा, 6 अप्रैल को पूर्णाहुति होगी, 7 अप्रैल को वृहद भंडारे के साथ समापन होगा और प्रत्येक दिन शाम को संतों का सम्मान भी किया जाएगा। राम जी भाई पाल मुंबई, अमर सिंह अयोध्या, राजमणि सिंह अयोध्या, डॉ एमपी यादव के साथ सैकड़ो शिष्य परिवार श्री राम महायज्ञ में सहयोगी की भूमिका निभाएंगे।

# आईटीआई छात्रों को टेबलेट वितरण, स्वरोजगार योजनाओं के लाभार्थियों को मिले चेक



**संवाददाता—बहराइच।** योगी सरकार के 8 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में महाराज सिंह इंटर कॉलेज में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन एमएलसी पदमसेन चौधरी ने लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ वितरित किया।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत लाभार्थियों को चेक दिए गए। वहीं ओडीओपी प्रशिक्षण योजना के तहत टूलकिट और आईटीआई के छात्रों को टैबलेट वितरित किए गए। एमएलसी चौधरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब अचीवर स्टेट बन गया है। बेहतर कानून व्यवस्था और संसाधनों के कारण निवेशकों का भरोसा लौटा है। उत्तर प्रदेश अब देश का सबसे बेहतर निवेश गंतव्य बन गया है।

सरकार की उपलब्धियों का ब्यौरा देते हुए बताया कि ओडीओपी योजना के तहत दिसंबर 2024 तक 17,041 लाभार्थियों को 72,744 लाख रुपये की मार्जिन मनी दी गई। इससे 2,54,887 लोगों को रोजगार मिला। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना में 28,419 लाभार्थियों को 81,965 लाख रुपये की मार्जिन मनी से 2,27,352 लोगों को रोजगार मिला।

कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। अग्रणी जिला प्रबंधक जितेंद्र कुमार ने बैंकिंग सेवाओं की, उपायुक्त उद्योग केशव राम वर्मा ने उद्योग विभाग की योजनाओं की जानकारी दी। श्रम विभाग, पॉलिटेक्निक और आईटीआई के प्रतिनिधियों ने भी अपने विभागों की योजनाओं से लोगों को अवगत कराया। कार्यक्रम में उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में व्यापारी व आम नागरिक मौजूद रहे।

# रमजान माह के आखिरी जुमे की नमाज, ड्रोन से शहर की निगरानी, सड़क पर नहीं हुई नमाज





**संवाददाता—गोण्डा।** जिले में रमजान माह के आखिरी जुम्मे की नमाज ड्रोन कैमरे और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुई। जिला प्रशासन ने पहले से ही सड़कों पर नमाज पढ़ने पर रोक लगा दी थी। इस निर्देश का सभी ने पालन किया।

संवेदनशील और अति संवेदनशील क्षेत्रों में हजारों पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। जिले की सभी चार तहसीलों में नमाज संपन्न हुई। प्रत्येक स्थान पर मजिस्ट्रेट और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने जिले के विभिन्न स्थानों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। गोंडा शहर की डिप्टी मस्जिद, छावनी मस्जिद और बड़ी मस्जिद के आसपास विशेष सुरक्षा प्रबंध किए गए। सभी मस्जिदों की ड्रोन कैमरे से निगरानी की गई। खुफिया विभाग और अन्य एजेंसियों के अधिकारी भी जिले में सक्रिय रहे।

प्रशासन ने सोशल मीडिया पर कड़ी नजर रखी। किसी को भी अफवाह फैलाने और माहौल खराब करने की अनुमति नहीं दी गई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पूरे जिले में नमाज शांतिपूर्वक संपन्न हुई और कहीं से कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

# रामनगरी में मेला को लेकर उत्साह, होटल धर्मशालाओं में 90 फीसदी कमरे फुल

**संवाददाता–अयोध्या।** रामनगरी अयोध्या में रामनवमी मेला 30 मार्च से शुरू हो रहा है। रामनवमी मेले का मुख्य पर्व रामजन्मोत्सव छह अप्रैल को उत्सव पूर्वक मनाया जाएगा। रामनवमी मेले में 50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना है। अयोध्या में होटलों और धर्मशालाओं का 90 फीसदी कमरे फुल हो चुके हैं।

बचे 10 फीसदी कमरों के लिए मारामारी मची है। एक–एक कमरे के लिए होटल मालिकों के पास सिफारिशें आ रही हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालु होम स्टे में कमरे बुक करा रहे हैं, लेकिन यहां भी हाउसफुल का बोर्ड लगने से श्रद्धालु परेशान हैं। अब मठ–मंदिरों और आश्रम में ठिकाना खोज रहे हैं।

रामनगरी में इस समय रोजाना 70 से 80 हजार श्रद्धालु रामलला के दर्शन को पहुंच रहे हैं। रामजन्मोत्सव अयोध्या का मुख्य पर्व माना जाता है इसलिए रामनवमी मेले के नौ दिनों में अयोध्या में 50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। रामलला के दरबार में रोजाना ढाई से तीन लाख श्रद्धालु दर्शन करने पहुंच सकते हैं।

रामनवमी मेले में अभी तक 15 से 20 लाख श्रद्धालु आते रहे हैं, लेकिन रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ी है। महाकुंभ मेले में दो माह में अयोध्या में तीन करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। रामनवमी मेले में नौ दिनों तक मठ–मंदिरों में अनुष्ठान होते हैं। रामकथा, रामनाम संकीर्तन, नवाह पारायण, यज्ञ, हवन की धूम होती है। इन अनुष्ठानों में सहभागी बनने के लिए बड़ी संख्या में देश–विदेश के श्रद्धालु पहुंचेंगे।

होटल व्यवसायी रामजी पांडेय ने बताया कि रामनवमी को लेकर होटल 10 अप्रैल तक फुल हो चुके हैं। कमरा बुक कराने के लिए रोजाना 50 से अधिक फोन आ रहे हैं। होटल व्यवसायी अनूप गुप्ता ने बताया कि रामनवमी मेला में शामिल होने के लिए लोगों में कमरे बुक कराने की होड़ है। एक पखवाड़ा पहले ही सभी कमरे छह अप्रैल तक के लिए बुक हो चुके हैं।

रामनगरी की एक प्रसिद्ध धर्मशाला के प्रबंधक आदित्य सुल्तानिया ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद से ही धर्मशाला लगातार फुल चल रही है। उनकी धर्मशाला 10 अप्रैल तक फुल है। होम स्टे संचालक सुनील गुप्ता ने बताया कि रामनवमी को लेकर सभी कमरे आगामी 08 अप्रैल तक के लिए बुक हो चुके हैं। बताया कि धर्मशाला, गेस्ट हाऊस व होम स्टे में कमरे लगभग फुल हैं।

# राणा सांगा पर सपा सांसद के बयान का विरोध, सांसद की सदस्यता रद्द करने की मांग

**संवाददाता–अम्बेडकरनगर।** भाजपा जिला प्रतिनिधि शुभम सिंह पालीवाल ने कहा कि समाजवादी पार्टी के सांसद द्वारा राणा सांगा पर दिया गया बयान निंदनीय है। उन्होंने कहा कि जब बच्चों को भारत के वीर महापुरुषों की वीरता के बारे में जानकारी देनी चाहिए, तब सपा सांसद ऐसे बयान दे रहे हैं। पालीवाल ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव सांसद का समर्थन कर देश में जातीय दंगा कराना चाहते हैं। प्रदर्शनकारियों ने राज्यसभा अध्यक्ष जगदीप धनखड़ को संबोधित ज्ञापन में सांसद राम जी सुमन की राज्यसभा सदस्यता समाप्त करने की मांग की। इस दौरान युवाओं में काफी आक्रोश देखा गया। कार्यक्रम में कुलदीप सिंह, नारद विश्कर्मा, हनुमत सिंह, अभिषेक पांडेय, प्रमोद कन्नौजिया, प्रदीप यादव समेत कई कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

# नवरात्र को लेकर बाजार पूरी तरह सज कर तैयार

**संवाददाता–संतकबीर नगर।** संतकबीरनगर जिले में नवरात्रि पर्व को लेकर बाजार पूरी तरह से सज कर तैयार हो गए हैं। बाजार में चुनरी से लेकर फलाहार तक की समाग्रियों की बिक्री के लिए दुकानदार सजा लिया है। ग्राहक भी अब दुकानों की ओर रुख कर रहे हैं। बाजार में पांच रुपए से लेकर पांच सौ रुपए तक की चुनरी बिक रही है। वासंतिक नवरात्रि का पर्व रविवार से शुरू होगा। इसको लेकर पौराणिक मंदिरों से लेकर घर के मंदिर तक की सफाई की जा रही है। आस्था के इस पर्व पर देवी आराधना के साथ–साथ नवमी को भगवान राम का जन्मोत्सव भी मनाया जाता है। यही कारण है कि इस पर्व का महत्व और भी बढ़ जाता है। इस पर्व पर देवी प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा नहीं होती है, लेकिन व्रत और अनुष्ठान श्रद्धा के साथ किए जाते हैं। यही कारण है कि व्रत के लिए बाजार में बिकने वाली समाग्रियों की डिमांड बढ़ जाती है। बाजार में मूंगफली दाना 140 रुपया प्रति किग्रा, कुट्टू दाना 120 रुपया प्रति किग्रा, साबूदाना 100 रुपया प्रति किग्रा, व्रत वाला चिप्स 40 रुपया प्रति पैकेट, मूंगफली का तेल 220 रुपया लीटर, व्रत वाली दाल 120 रुपया प्रति किग्रा की दर से बिक रही है।

# प्रेम-प्रसंग में गला रेतकर युवक के हत्या की आशंका, बर्थडे पार्टी की बात कहकर घर से निकला, पीएम रिपोर्ट में शरीर पर चोट के निशान



**संवाददाता–संतकबीरनगर।** 26 मार्च की सुबह एक युवक का शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान टेमारहमत गांव निवासी 22 वर्षीय हिदायतुल्लाह के रूप में हुई। पुलिस जांच में सामने आया कि हिदायतुल्लाह 25 मार्च की शाम 5 बजे अपनी मोटरसाइकिल से बर्थडे पार्टी में जाने की बात कहकर घर से निकला था। जब वह देर रात तक नहीं लौटा, तो परिजनों ने समझा कि वह किसी रिश्तेदार के यहां रुक गया होगा। अगली सुबह जब वह नहीं लौटा तो परिवार ने उसकी तलाश शुरू की। तो उसका गला कटा हुआ शव मिला। शव के पेट पर भी कई जगह चाकू के वार के निशान थे। 27 मार्च को दोपहर में मृतक के पिता लायकुल्लाह ने जिला चिकित्सालय की मॉर्चुरी में शव की पहचान की। पुलिस प्रारंभिक जांच में प्रेम–प्रसंग को हत्या का कारण मान रही है। पुलिस मृतक के फोन कॉल डिटेल्स के आधार पर हत्यारों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

26 मार्च की सुबह 7 बजे युवक का शव बेलहरकला क्षेत्र में मिला। जबकि उसके पिता उसी दिन कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र की कांटे पुलिस चौकी पर अपने बेटे के गायब होने की गुमशुदगी की तहरीर दी। इसके बाद 27 की दोपहर में 12 बजे चौकी प्रभारी ने उसको बुलाकर शव के फोटो की पहचान करने को बोले। फोटो को देखकर परिजन थोड़े भ्रमित हो रहे थे। इसके बाद उनको लेकर पुलिस मॉर्चुयुरी गई। जहां उसका शव रखा था। शव को देखते ही पिता ने पहचान की कि वह उनके बेटे हिदायतुल्लाह का ही है।

हिदायतुल्लाह की मौत के बाद मां और परिवार के अन्य सदस्यों का रोते–रोते बुरा हाल है। उसकी मां इशरतजहां दहाड़े मार मारकर रो रही थी। वह अपने पिता की आठ संतानों में दूसरे नंबर पर था। जबकि उससे बड़ी एक बहन है, उससे छोटे तीन अन्य भाई और तीन बहनें हैं। परिवार का हर आदमी उसकी मौत से गमजदा दिखाई दे रहा था।

हिदायतुल्लाह अपने परिवार में कमाने वाला सदस्य था। उसके पिता लायकुल्लाह गांव में घूमकर आइसक्रीम बेचने का काम करते हैं। जबकि उसने पांच साल पूर्व बस्ती में अपने मौसा के घर रहकर मैकेनिक का काम सीखा था। मैकेनिक के काम से जब उसको कुछ कमाई हुई तो ढाई साल पहले उसने ऑटो खरीदा। उस ऑटो से वह सवारी ढोने का काम करता था। सवारी ढोकर खाली होता तो टेमारहमत के एक स्कूल से बच्चों को उठाता था। उनको सेमरियांवा व अन्य जगहों पर पहुंचाता था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने शव के पोस्टमॉर्टम के बाद शव को एम्बुलेंस के जरिए उसके गांव भेजवाया। साथ उसके गांव के चौराहे तथा अन्य स्थानों पर भी पुलिस को तैनात किया गया है। पुलिस ने पिता लायकुल्लाह की तहरीर पर अज्ञात के ऊपर हत्या का केस दर्ज किया है। पिता ने अपनी तहरीर में लिखा है कि हमने देखा है कि हमारे बेटे का गला धारदार हथियार से काटा गया है। इसके साथ ही उसका पेट भी फाड़ा गया है। पुलिस केस दर्ज करके आवश्यक वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

# अलविदा जुमे की नमाज शांतिपूर्ण संपन्न

**संवाददाता–संतकबीरनगर।** रमजान के अलविदा जुमे की नमाज शांतिपूर्वक संपन्न हो गई। प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। खलीलाबाद शहर और तहसील क्षेत्रों में पुलिस और आरएएफ के जवानों ने फ्लैग मार्च किया। साथ ही ड्रोन कैमरों से लगातार निगरानी की गई। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर और एसपी सत्यजीत गुप्ता ने आने वाले ईद और नवरात्रि त्योहारों को देखते हुए विशेष सतर्कता बरती। डीएम और एसपी ने मेहदावल बाईपास से बैंक चौराहा और बंजरिया तक भारी पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च किया।

उन्होंने लोगों से सड़कों पर अतिक्रमण न करने की अपील की। साथ ही शांति और सौहार्द बनाए रखने का आग्रह किया। पुलिस प्रशासन ने सड़कों पर नमाज पढ़ने पर विशेष नजर रखी। अधिकारियों को हर गतिविधि पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए गए थे। वहीं गली–मोहल्लों और बाजारों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। सीसीटीवी से भी निगरानी की गई। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है।

# अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो दोस्तों की मौत, एक की हालत गंभीर

**संवाददाता–संतकबीर नगर।** कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के चकदही के समीप शुक्रवार को सुबह अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार तीन दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाने के क्रम में रास्ते में दो की मृत्यु हो गई। जबकि तीसरे की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल से गोरखपुर रेफर कर दिया गया।

मृतकों में एक की पहचान खलीलाबाद के बरदहिया बाजार निवासी 21 वर्षीय संदीप कुमार पुत्र श्याम विहारी, दूसरे मृतक की पहचान देवरिया गंगा निवासी 21 वर्षीय सूरज गौड़ पुत्र पुरुषोत्तम के रूप में हुई। जबकि घायल की पहचान गंगा देवरिया निवासी 22 वर्षीय सौरभ सिंह पुत्र राज बहादुर के रूप में हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के बरदहिया बाजार निवासी संदीप कुमार शुक्रवार की सुबह अपनी





मोटरसाइकिल से देवरिया गंगा गांव निवासी अपने मित्र सूरज गौड़ तथा इसी गांव के सौरभ सिंह के साथ उनके उनके गांव देवरिया गंगा जा रहा था।

अभी वह खलीलाबाद धनघटा मार्ग पर स्थित चकदही गांव के समीप पहुंचा ही था तभी अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने संदीप की मोटरसाइकिल पर जोरदार ठोकर मार दी। जिससे तीनों सड़क पर गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने तीनों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भेजवाया, जहां रास्ते में ही संदीप और सूरज की मृत्यु हो गई। जिला अस्पताल में पहुंचने पर सौरभ की हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

# अयोध्या रामकोट की परिक्रमा के लिए अपील– घरों पर भगवा पताका फहराएं, रंगोली से सजाएं आंगन



**संवाददाता–अयोध्या।** सनातन अयोध्या नगरी का पुनरुद्धार करने वाले उज्जैन नरेश महाराज विक्रमादित्य के स्मरण एवं भारतीय नववर्ष का संदेश पूरी दुनिया को देने के लिए दो दशक पहले रामकोट की परिक्रमा का शुभारम्भ हुआ था। श्री विक्रमादित्य महोत्सव समिति के तत्वावधान में आयोजित होने वाली यह परिक्रमा नव संवत्सर की पूर्व संध्या पर प्रत्येक चैत्र कृष्ण अमावस्या की तिथि पर की जाती रही है। यह परिक्रमा एक बार फिर से 29 मार्च शनिवार को होगी। परिक्रमा का शुभारम्भ अपराह्न तीन बजे मत्त गजेन्द्र के पूजन से होगा। महोत्सव समिति के साथ श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभिन्न आनुषंगिक संगठनों के पदाधिकारी इस आयोजन को भव्यता स्वरूप प्रदान करने के लिए जुटे हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्थापना काल से ही भारतीय नववर्ष को पूरी गंभीरता से मनाता आ रहा है लेकिन आंग्ल नववर्ष को लेकर समाज में जितनी जागरूकता है, उसके विपरीत हिंदी नववर्ष या भारतीय नववर्ष के प्रति उतनी ही उदासीनता भी है। यह अलग विषय है कि वासंतिक नवरात्र के पर्व और रामनवमी के कारण धार्मिक अनुष्ठान व कार्यक्रम होते रहते हैं लेकिन इन आयोजनों में नववर्ष का उल्लास नजर नहीं आता। इसके कारण दो दशक पहले संघ परिवार ने रामकोट परिक्रमा की आधारशिला रखी और राम मंदिर आंदोलन से जोड़ कर परिक्रमा की परम्परा को आगे बढ़ाया। फिलहाल लंबे संघर्ष की सुखद परिणति के रूप में रामलला के भव्य दिव्य मंदिर के निर्माण के साथ प्राण प्रतिष्ठा भी हो चुकी है तो स्वाभाविक उल्लास सर्वत्र है। इसके चलते आयोजन के 21 वें साल में विभिन्न मंदिरों विशेषतया जातीय पंचायती मंदिरों के संतों के माध्यम से अलग अलग संदेश परक झांकियों को भगवान की शोभायात्रा में शामिल कराने की योजना बनाई गयी है। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए अलग–अलग दर्जनों बैठकें भी सम्बन्धित संत–महंतो के साथ की जा चुकी है। इसी सिलसिले में महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने शिविर कार्यालय अयोध्या में प्रेसवार्ता का आयोजन किया। इस मौके पर तीर्थ क्षेत्र के न्यासी डा अनिल मिश्र व जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी राम दिनेशाचार्य ने सभी अयोध्या वासियों से अपने–अपने घरों पर भगवान पताका फहराने एवं घरों के मुख्य द्वार पर अल्पना या रंगोली बनाने की अपील की। डा. मिश्र ने बताया कि रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा को लेकर जिस प्रकार का समाज में उत्साह है, उसके कारण स्वतः स्फूर्ति प्रेरणा से लोग सहयोग के लिए आगे आ रहे हैं। इसके कारण परिक्रमा पथ पर स्वागत द्वार के अलावा पुष्प वर्षा इत्यादि की भी तैयारी है और दर्जनों मंदिरों के संत अपने–अपने क्षेत्रों से शोभायात्रा लेकर परिक्रमा में शामिल होंगे।

# आबिद के प्रयास से इराक में फंसे भारतीय की वतन वापसी हुई

**संवाददाता–अम्बेडकरनगर।** ज्यादा पैसा कमाने की लालसा में विदेश जाकर फंसे सैकड़ों लोगों की वतन वापसी कराने वाले जिले के सैयद आबिद हुसैन की एक और मुहिम रंग लायी है। आबिद हुसैन ने इस बार इराक में जाकर कर फंसे पश्चिम बंगाल के एक व्यक्ति को वतन वापस कराने में मदद की बल्कि युवक के ऊपर भारतीय न होने के लगे दाग को भी मिटाया। पश्चिम बंगाल के जिला नदिया के दुर्गापुर गांव निवासी युवक राना समदर दो वर्ष पूर्व नौकरी के सिलसिले खाड़ी देश ईराक गया था जहां उस का पासपोर्ट इस बात के लिए जब्त कर लिया गया कि उस की नागरिकता संदिग्ध है। जिस के बाद से राना समदर के दो साल इस जद्दोजहद में गुजर गये कि वह भारतीय नागरिक है। बीते 23 जनवरी 2023 को राना चाइना की इंजीनियरिंग कम्पनी में काम करने इराक गये लेकिन इराक एयरपोर्ट पर ही इमिग्रेशन में उनका पासपोर्ट जब्त कर लिया गया। काफी जद्दोजहद के बाद जब राना को कामयाबी नहीं मिली तो उस ने सैयद आबिद हुसैन को पूरी कहानी बतायी। आबिद हुसैन ने विदेश मंत्रालय और भारत इराक एम्बेसी में बातचीत की। आबिद ने बताया कि उन्हें इस संबंध में 26 जुलाई को जानकारी हुई, तमाम कोशिश के बाद विदेश मंत्रालय और परिवार वालों के सहयोग से ग्राम पंचायत का मूल पत्र भेजा तब पासपोर्ट मिला और राणा की भारत वापसी हो पायी।

# परिवारों को सदमार्ग पर ले जाती है श्रीराम कथा– स्वामी स्वरूपानन्द

## –यज्ञ, भण्डारे के साथ श्रीराम कथा सम्पन्न

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–** बस्ती । नारायण सेवा संस्थान ट्रस्ट द्वारा आयोजित 9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा दुबौलिया बाजार के राम विवाह मैदान में हवन, यज्ञ, भण्डारे के साथ सम्पन्न हुआ। कथा व्यास स्वामी स्वरूपानन्द जी महाराज ने कहा कि श्री रामचंद्र जी के राज्याभिषेक में समस्त ब्रह्मांड के देवी देवता पधारे थे। सभी ने राम को राजा बनते देखकर अपार हर्ष व्यक्त किया था। रामराज्य में किसी भी प्राणी को दुख नहीं था। कोई किसी से बैर भाव नहीं रखता था। असमय मृत्यु नहीं होती थी। सभी प्राणी बहुत सुखी रहते थे। अयोध्या में प्रसन्नता देखने लायक थी।

महात्मा जी ने कहा कि भरत ने चौदह वर्ष तक भगवान श्रीराम की खड़ाऊ सिंहासन पर रखकर राज–पाठ संभाला और अयोध्या वापस आने पर श्रीराम को सौंप दिया। आज के समाज को भरत जी से प्रेरणा लेने की जरूरत है, ताकि भाई से भाई का प्रेम बना रहे और परिवारों में आ रही दरारों को पाटा जा सके। परिवारों को विघटित होने से बचाया जा सके। साथ ही लोग वैश्विक परिवार की कल्पना को साकार करें। समाज को राम भक्त हनुमान से निस्वार्थ भक्ति की सीख लेनी चाहिए। महात्मा जी ने कहा कि रावण इतना ज्ञानी होने के कारण भी अपने अहंकार के कारण मारा गया। हमें रावण बध से यह सीखना चाहिये कि अपने जीवन को धर्मानुगामी बनाये।

श्रीराम कथा के विश्राम अवसर पर कथा व्यास का विधि विधान से मुख्य यजमान अजय सिंह, विभा सिंह ने कथा व्यास का पूजन किया। आयोजक बाबूराम सिंह, के. के. सिंह, आनंद शुक्ला कृष्ण दत्त दूबे, तुषार सिंह, हरिशंकर उपाध्याय, राजेश मणि त्रिपाठी, हीरा सिंह, राजेश सिंह, अमरजीत सिंह, हरिओम पाण्डेय, बब्लू पाण्डेय, कन्हैया दास, राजननरायन पाण्डेय, सत्यनरायन द्विवेदी, राधेश्याम, सभाजीत चौधरी, विश्वम्भर, गोविन्द मोदनवाल, दुर्गा प्रसाद गुप्ता, श्यामलाल गुप्ता, दंगल गुप्ता, रामकिंकर सिंह, संजीव सिंह, सुनील सिंह, जसवन्त सिंह, अनूप सिंह, प्रमोद पाण्डेय, हर्षित सिंह, आदित्य सिंह, अरूण सिंह, मनोज गुप्ता, देवनरायन चौहान, दयाराम सोनकर, प्रभाकर सिंह, सुधाकर सिंह, अमरपाल सिंह, सुरेन्द्र बहादुर सिंह, नीरज गुप्ता, रामू, इन्द्रपरी सिंह, शीला सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक श्रीराम कथा में शामिल रहे।

# सरकार की उपलब्धियों को लेकर जनता के द्वार पहुंचे भाजपा कार्यकर्ता

**संवाददाता–गोरखपुर।** प्रदेश सरकार की 'सेवा, सुरक्षा और सुशासन की नीति के आठ वर्ष पूरे होने पर घर–घर संपर्क अभियान के क्रम में शुक्रवार को भाजपा कार्यकर्ता सैनिक विहार कालोनी पहुंच कर सरकार की उपलब्धियों को लेकर पुस्तिका दी।

महानगर मंत्री मनोज अग्रहरि ने जनसंपर्क के क्रम में जनसंवाद करते हुए बताया कि योगी सरकार ने बुनियादी ढांचे, निवेश, कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य, शिक्षा और गरीब कल्याण की दिशा में एतिहासिक कदम उठाए हैं। इससे उत्तर प्रदेश एक खुशहाल प्रदेश बना है।

महानगर मीडिया प्रभारी इंजीनियर बृजमोहन ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी और प्रदेश के मुखिया योगी के नेतृत्व में प्रदेश अपनी सांस्कृतिक परंपराओं, बेहतर कार्यशैली की वजह से अन्य राज्यों के लिए रोल मॉडल बना है।

लोककल्याण के पथ पर चलते हुए डबल इंजन की भाजपा सरकार प्रदेशवासियों के हर सपने को साकार करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

संपर्क अभियान में मुख्य रूप से राजेश पासवान डॉ. ओपी सिंह, सुनीता पाण्डेय, दयानंद साहनी, विजय प्रकाश सिंह, बबलू त्रिपाठी, उमेश यादव, मुन्ना लाल, उमाकांत मिश्रा, नागेंद्र पासवान सहित बड़ी संख्या में स्थानीय पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

अदालत–श्रीमान नवम् अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद सं0 596/2013

राज कुमार

बनाम

सीमा देवी आदि

1. अनिल कुमार उम्र करीब 45 वर्ष पुत्र नेबूलाल 2. सुशीला उम्र करीब 70 वर्ष पुत्री नेबूलाल 3. बदामा उम्र करीब 65 वर्ष पुत्री नेबूलाल 4. मीरा उम्र करीब 60 वर्ष पुत्री नेबूलाल 5. मन्जू उम्र करीब 42 वर्ष पुत्री नेबूलाल साकिनान मौजा बभनगांवा कला तप्पा गोर परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती डाकखाना पिकोरा

**तारीख पेशी 01–05–2025**

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 01 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा

(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान चतुर्थ अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–422/1984

हरि प्रसाद आदि

बनाम

शुभकरन आदि

4/1/1 श्रीमती प्रभावती उम्र 72 साल पत्नी कल्पनाथ 4/1/2 केशरी नन्दन उम्र 45 साल 4/1/3 घनश्याम उम्र 42 साल पुत्रगण कल्पनाथ 4/1/4 बिन्दू उम्र 52 साल 4/1/5 इन्दू उम्र 44 साल 4/1/6 विजय उम्र 40 साल पुत्रीगण कल्पनाथ निवासीगण ग्राम पकरीभीखी तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील सोनहा जिला बस्ती

**तारीख पेशी 24–04–2025**

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दआलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 24 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जवाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

सिविल अपील सं0 30/2015

अदालत– श्रीमान अपर जिला जज/एफ0टी0सी0 द्वितीय महोदय बस्ती जिला–बस्ती

दौलतराम मृतक आदि

बनाम

राम प्रसाद मृतक आदि

बनाम– 1/1 श्रीनिवासी 1/2 श्री नरायन 1/3 श्रीकान्त पुत्रगण राम प्रसाद 2. बलराम पुत्र मंगल 3. राम अभिलाख पुत्र ठाकुर प्रसाद 4. अरविन्द पुत्र ठाकुर प्रसाद 5. दिनेश कुमार पाण्डेय पुत्र राधारमण निवासीगण मौजा कोप तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

**तारीख पेशी 30–04–2025**

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 30 महीना 04 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

**दैनिक भारतीय बस्ती**

**संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय**

**स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।**

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com